MASA-02

June - Examination 2026
M.A. (Previous) Examination
SANSKRIT
ललित साहित्य एवं नाटक
Paper : MASA-02

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **80***]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) कालिदास का सभी विद्वानों द्वारा मान्य प्रामाणिक काल कौनसा है?
   (ii) मेघदूत खण्डकाव्य के नायक और नायिका का नाम लिखिए।
   (iii) मन्दाक्रान्ता छन्द का लक्षण लिखिए।
   (iv) गीतिकाव्य के मुख्य भेदों के नाम लिखिए।
   (v) रूपक के दस भेदों के नाम लिखिए।
   (vi) मुद्राराक्षस किस प्रकार का नाटक है?
   (vii) 'मृच्छकटिकम्' का क्या अर्थ है?
   (viii) याज्ञवल्क्य स्मृति के प्रथम अध्याय का नाम लिखिए।

खण्ड–'ब' **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किस **एक** श्लोक का संदर्भ, प्रसंग एवं अन्वय सहित हिन्दी भाषा में अनुवाद कीजिए –

   (अ) कश्चित्कान्ताविरहगुरुणा स्वाधिकारात्प्रमत्तः
   शापेनास्तङ्गमितमहिमा वर्षभोग्येण भर्तुः।
   यक्षश्चक्रे जनकतनयास्नानपुण्योदकेषु
   स्निग्धच्छायातरुषु वसतिं रामगिर्याश्रमेषु।।

   अथवा

   (ब) आलोके ते निपतति पुरा सा बलिव्याकुला वा,
   मत्सादृश्यं विरहतनु वा भावगम्यं लिखन्ती।
   पृच्छन्ती वा मधुरवचनां सारिकां पञ्जरस्थां,
   कच्चिद्भर्तुः स्मरसि रसिके त्वं हि तस्य प्रियेति।।

3. निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए –

(अ) आस्वादितद्विरदशोणितशोणशोभां
सन्ध्यारुणामिव कलां शशलाञ्छनस्य।
जृम्भाविदारित मुखस्य मुखात् स्फुरन्तीं
को हर्तुमिच्छति हरेः परिभूय दंष्ट्राम्।।

अथवा

(ब) आविर्भूतानुरागाः क्षणमुदयगिरेरुज्जिहानस्य भानोः
पर्णच्छायैः पुरस्तादुपवनतरवो दूरपाश्वेव गत्वा।
एते तस्मिन्निवृत्ताः पुनरपरगिरिप्रान्तपर्यस्तबिम्बे,
प्रायो भृत्यास्त्यजन्ति प्रचलितविभवं स्वामिनं सेवमानाः।।

4. निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए –

(अ) सुखं हि दुःखान्यनुभूय शोभते
घनान्धकारेष्विव दीपदर्शनम्।
सुखात्तु यो याति नरो दरिद्रतां
धृतः शरीरेण मृतः स जीवति।।

अथवा

(ब) अमी हि वृक्षाः फलपुष्पशोभिताः
कठोर निष्पन्दलतोपवेष्टिताः।
नृपाज्ञया रक्षिजनेन पालिता,
नराः सदारा इव यान्ति निर्वृतिम्।।

5. 'मेघदूतम' के अनुसार मेघ मार्ग का वर्णन कीजिए।
6. 'मुद्राराक्षसम्' नाटक के आधार पर चाणक्य का चरित्र चित्रण कीजिए।
7. 'मृच्छकटिकम्' प्रकरण के आधार पर चारुदत्त की पत्नी द्यूता का चरित्र–चित्रण कीजिए।
8. **'मुद्राराक्षसम्'** नाटकानुसार किन्हीं दो सूक्तियों की व्याख्या कीजिए –
   (अ) मुण्डितमुण्डो नक्षत्राणि पृच्छसि।
   (ब) प्रारब्धम् उत्तमजनाः न परित्यजन्ति।
   (स) अत्यादरः शङ्कनीयः।
   (द) भव्यं रक्षति भवितव्यता।
9. **'मृच्छकटिकम्'** नाटकानुसार किन्हीं दो सूक्तियों की व्याख्या कीजिए –
   (अ) अल्पक्लेशं मरणं दारिद्र्यमन्तकं दुःखम्।
   (ब) रत्न रत्नेन संगच्छते।
   (स) न चन्द्रादातपो भवति।
   (द) साहसे श्रीः प्रतिवसति।

खण्ड–'स' **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **16** अंक का है।

10. 'मेघदूतम्' के आधार पर पूर्वमेघ की कथा का सार सोदाहरण लिखिए।
11. नाट्य किसे कहते हैं? नाटक के भेदों का उल्लेख करते हुए संस्कृत नाटकों की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
12. मृच्छकटिकम् नाटक के आधार पर वसन्तसेना का चरित्र–चित्रण कीजिए।
13. मुद्राराक्षसम् नाटक में पंचसन्धि सन्निवेश विषय पर एक लेख लिखिए।
